

हे मेरे गुरुदेव करुणा सिंधु करुणा कीजिए

हे मेरे गुरुदेव करुणा,सिंधु करुणा कीजिए,
हूँ अधम आधीन अशरण, अब शरण में लीजिए,

खा रहा गोते हूँ मैं, भव सिंधु के मझधार में,
आसरा है दूसरा कोई न,अब संसार में,
हे मेरे गुरुदेव करुणा,सिंधु करुणा कीजिए,
हूँ अधम आधीन अशरण, अब शरण में लीजिए,

पाप बोझ से लदी नैया, भंवर में जा रही ,
नाथ दौड़ो अब बचालो, जल्दी डूबी जा रही ,
हे मेरे गुरुदेव करुणा,सिंधु करुणा कीजिए,
हूँ अधम आधीन अशरण, अब शरण में लीजिए,

आप भी यदि छोड़ देंगे, फिर कहां जाऊंगा मैं,
भव सागर को नाथ कैसे , पार कर पाऊंगा मैं,
हे मेरे गुरुदेव करुणा,सिंधु करुणा कीजिए,
हूँ अधम आधीन अशरण, अब शरण में लीजिए,

सब जगह मंजिल भटक कर अब शरण ली आपकी,
पार करना या न करना, दोनों मर्जी आपकी ,
हे मेरे गुरुदेव करुणा,सिंधु करुणा कीजिए,
हूँ अधम आधीन अशरण, अब शरण में लीजिए,

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/8448/title/he-mere-gurudev-karuna-sindhu-karuna-kijiye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |